दुनिया में झूठ अनेकों है पर जटा जुट सम जुट नही

दुनिया में झूठ अनेकों है,

दोहा – राम राम भजबू करो,
धरे रहो मन धीर,
कारज तेरे सुधार है,
कृपा सिंध रघुवीर।
स्वांस स्वांस में हरी भजो,
वृथा स्वांस मत खोय,
ना जाने क्या स्वांस का,
आवण होय या न होय।
चित्रकूट की राम रज,
परिक्रमा की धूल,
ओलो ओलो परत शारीर पे,
पाप होय सब दूर।

दुनिया में झूठ अनेकों है,
पर जटा जुट सम जुट नही,
दुनिया में लूट अनेकों है,
पर रामनाम सम लूट नही।bd।

दुनिया में फुट अनेकों है,
पर भाई भाई सम फुट नही,
दुनिया में झूठ अनेको है,
पर जटा जुट सम जुट नही।bd।

दुनिया में कूट अनेको है,
पर चित्रकूट सम कूट नही,
दुनिया में झूठ अनेको है,
पर जटा जुट सम जुट नही।bd।

दुनिया में जुट अनेकों है,
पर जटा जुट सम जुट नही,
दुनिया में लूट अनेकों है,
पर रामनाम सम लूट नही।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com